हिन्दी विभाग

राजीव गाँधी विश्वविद्यालय

स्नातक कला हिन्दी पाठ्यक्रम (सामान्य एवं प्रतिष्ठा)

सत्र पद्धति

वर्ष २०१४-१५ से प्रभावी

प्रथम सत्र	BHIN-101	सामान्य हिन्दी-१
द्वितीय सत्र	BHIN-102	सामान्य हिन्दी-२
तृतीय सत्र	BHIN-103	हिन्दी गद्य
चतुर्थ सत्र	BHIN-104	भारतीय काव्यशास्त्र और भाषा विज्ञान
चतुर्थ सत्र	BHIN-SBC-104	कौशल आधारित पाठ्यक्रम

पंचम सत्र	BHIN-505	हिन्दी साहित्य का इतिहास-१
पंचम सत्र	BHIN-506	मध्यकालीन काव्य
पंचम सत्र	BHIN-507	हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान
पंचम सत्र	BHIN-508	प्रयोजनमूलक हिन्दी
पंचम सत्र	BHIN-521	छायावाद (विकल्प पत्र)
पंचम सत्र	BHIN-522	आधुनिक काव्य (विकल्प पत्र)

षष्ठ सत्र	BHIN-609	हिन्दी साहित्य का इतिहास-२
षष्ठ सत्र	BHIN-610	समकालीन काव्य
षष्ठ सत्र	BHIN-611	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
षष्ठ सत्र	BHIN-612	हिन्दी गद्य साहित्य

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

षष्ठ सत्र	BHIN-621	हिन्दी आलोचना (विकल्प पत्र)
षष्ठ सत्र	BHIN-622	प्रेमचन्द (विकल्प पत्र)

टिप्पणी:

१. प्रथम से लेकर चतुर्थ सत्र तक के प्रथम चार पत्र (BHIN-101 से BHIN-104) हिन्दी लेने वाले सभी विद्यार्थियों के लिये अनिवार्य होंगे। चतुर्थ सत्र में निर्धारित BHIN-SBC-101 पत्र ऐच्छिक होगा और इस पत्र का पाठ्यक्रम हिन्दी के प्रयोग सम्बन्धी विशेष कौशल के विकास पर आधारित है।

२. पंचम सत्र में BHIN-505 और BHIN-506 पत्र अनिवार्य होंगे तथा BHIN-521 तथा BHIN-522 को BHIN-507 तथा BHIN-508 के विकल्प के रूप में लिया जा सकता है। इसी प्रकार षष्ठ सत्र में BHIN-609 तथा BHIN-610 पत्र अनिवार्य होंगे तथा BHIN-611 और BHIN-612 के स्थान पर BHIN-621 और BHIN-622 को उनके विकल्प के रूप में लिया जा सकता है।

३. प्रथम सत्र से लेकर षष्ठ सत्र तक कौशलाधारित पाठ्यक्रम सहित प्रत्येक पत्र १०० अंकों का होगा, जिनमें से २० अंक आन्तरिक परीक्षा के लिये तथा ८० अंक बाह्य परीक्षा हेतु निर्धारित हैं।

४. प्रत्येक पत्र पर BHIN के साथ दी गयी संख्या उस पत्र की संकेत संख्या को निर्धारित करती है। इसमें **B** का अर्थ **BACHELOR** (स्नातक) तथा **HIN** का अर्थ **HINDI** (हिन्दी) है। संख्या, यथा- १०१ या २०२ सत्रानुसार पत्र संख्या (Paper code) की परिचायक है।

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- प्रथम सत्र

हिन्दी स्नातक BHIN-101

सामान्य हिन्दी- एक

यह प्रश्नपत्र प्रथम सत्र में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में विभ है। प्रत्येक इकाई के लिये अलग-अलग अंक निर्धारित हैं।

इकाई : १ **हिन्दी साहित्य का इतिहासः** हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण; आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की परिस्थितियां एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई : २ **कविता**

पाठ्य-पुस्तक : काव्य गौरव; सम्पा.- रामदरश मिश्र; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

० कबीरदास : पाठ्य-अंश- साधु को अंग।

आलोचना- भक्ति एवं सामाजिक पक्ष।

० सूरदास : पाठ्यांश- विनय के पद तथा वात्सल्य (गोकुल लीला) से प्रथम तीन पद।

आलोचना- वात्सल्य एवं भक्ति।

० तुलसीदास : पाठ्यांश- पद संख्या १, ६ एवं ८।

आलोचना- भक्ति-भावना एवं समन्वयवाद।

० विहारीलाल : पाठ्यांश- भक्तिः दोहा संख्या- १, ५, ६; नीति- २, ३; नायिका वर्णन- २, ४ तथा विरह- ५।

आलोचना- काव्यगत विशेषताएं तथा बहुज्ञता।

इकाई : ३ **व्याकरणः**

पाठ्य-पुस्तकः आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- वासुदेवनन्दन प्रसाद सिंह

पाठयांश- लिंग, कारक, वचन, काल एवं वाक्य-शुद्धि

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi Universit

Scanned with CamScanner

इकाई : ४ निबन्ध

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध-लेखनः ४

० विज्ञान से सम्बन्धित विषय।

० समसामयिक विषय।

० अरुणाचल प्रदेश से सम्बन्धित विषय।

० हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं से सम्बन्धित विषय।

निर्देशः

१. इकाई एक से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। उत्तर १५ अंक का होगा।
२. इकाई दो से दो पद्यांशों की व्याख्याएं तथा एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा। इनके विकल्प भी रहेंगे। व्याख्याएं ८-८ अंकों की होंगीं तथा प्रश्न १४ अंक का होगा।
३. इकाई तीन से चार-चार अंकों के पाँच प्रश्न (कुल २० अंक) पूछे जायेंगे।
४. निबन्ध-लेखन के लिये १५ अंक निर्धारित किये गये हैं।

सहायक ग्रन्थः

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र।
३. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह।
४. कबीर- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
५. सूर और उनका साहित्य- डॉ. हरवंशलाल शर्मा
६. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- डॉ. मैनेजर पाण्डेय।
७. लोकवादी तुलसीदास- विश्वनाथ त्रिपाठी।
८. कथा राम कै गूढ़- रामचन्द्र तिवारी।
९. बिहारी- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
१०. अच्छी हिन्दी- रामचन्द्र वर्मा।
११.व्यवहारिक हिन्दी व्याकरण और रचना- हरदेव बाहरी।
१२. साहित्यिक निबन्ध- डॉ. शान्तिस्वरूप गुप्त।
१३. भाषा, संस्कृति और साहित्य- डॉ. हरीशकुमार शर्मा।

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- द्वितीय सत्र

हिन्दी स्नातक BHIN-202

सामान्य हिन्दी- दो

यह प्रश्नपत्र द्वितीय सत्र में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में विभ है। प्रत्येक इकाई के लिये अलग-अलग अंक निर्धारित हैं।

इकाई : १ **हिन्दी साहित्य का इतिहासः**

आधुनिककालीन काव्य- भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवा तथा स्वातन्त्र्योत्तर कविताः परिचय तथा प्रवृत्तियाँ।

इकाई : २ **कविताः**

पाठ्य-पुस्तक : हिन्दी काव्य संग्रह; सम्पा.- शशिशेखर तिवारी; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

- मैथिलीशरण गुप्त : पाठ्यांश- भारत की श्रेष्ठता।

  आलोचना- काव्यगत विशेषताएं, राष्ट्रीय चेतना।

- सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : पाठ्यांश- वह तोड़ती पत्थर, भारति! जय विजय करे!

  आलोचना- छायावाद और निराला।

- महादेवी वर्मा : पाठ्यांश- विरह का जलजात जीवन, रूपसि तेरा घन केशपाश।

  आलोचना- विरह वेदना, छायावादी तत्त्व।

- नागार्जुन : पाठ्यांश- उनको प्रणाम, अकाल और उसके बाद।

  आलोचना- जनकवि नागार्जुन, काव्यगत चेतना।

इकाई : ३ **व्यवहारिक हिन्दी**

पत्र लेखन- प्रभावी पत्र लेखन की विशेषताएँ, पत्र लेखन के प्रकार- सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, व्यवहारिक पत्र, व्यापारिक पत्र।

इकाई : ४ **अनुवाद**

अनुवाद : अर्थ एवं स्वरूप, प्रकार, अनुवाद के गुण, अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद।

Scanned with CamScanner

निर्देशः

१. इकाई एक से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किसी एक का उत्तर देना होगा। उत्तर १५ अंक का होगा।
२. इकाई दो से दो पद्यांशों की व्याख्याएं तथा एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा। इनके विकल्प भी रहेंगे। व्याख्याएं ८-८ अंकों की होंगीं तथा प्रश्न १४ अंक का होगा।
३. इकाई तीन के लिये १५ अंक निधारित किये गये हैं। इस इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रश्न का विकल्प भी रहेगा।
४. इकाई ४ से १०-१० अंकों के दो प्रश्न पूछे जायेंगे। एक प्रश्न अनुवाद की सैद्धान्तिकी से सम्बन्धित होगा और दूसरे प्रश्न में अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कराया जायेगा।

सहायक ग्रन्थः

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र।
३. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह।
४. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास- हंसराज रहबर
५. आधुनिक हिन्दी कविता- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
६. निराला- डॉ. इन्द्रनाथ मदान
७. क्रान्तिकारी कवि निराला- डॉ. बच्चन सिंह
८. महादेवी का काव्य सौष्ठव- कुमार विमल
९. महादेवी- इन्द्रनाथ मदान
१०.नागार्जुन की कविता- अजय तिवारी
११.अविराम काव्य यात्रीः नागार्जुन- डॉ. मीनाकुमारी
१२.व्यावहारिक हिन्दी- डॉ. महेन्द्र मित्तल
१३.प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. दंगल झाल्टे
१४.प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदरे
१५.सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग- गोपीनाथ श्रीवास्तव
१६.अनुवाद कला-डॉ. विश्वनाथ अय्यर
१६.पत्र-व्यवहार निर्देशिका- भोलानाथ तिवारी
१७.अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग- डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pr...

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- तृतीय सत्र

हिन्दी स्नातक BHIN-303

हिन्दी गद्य

यह प्रश्नपत्र तृतीय सत्र में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में वि है। प्रत्येक इकाई के अंक अलग-अलग निर्धारित हैं।

इकाई : १ हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहासः

उपन्यास, नाटक, कहानी और निबन्ध का उद्‌भव और विकास।

इकाई : २ नाटक :

पाठ्य-पुस्तक : अन्धेर नगरी- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

आलोचना के बिन्दु : अन्धेर नगरी की प्रासंगिकता, अन्धेर नगरी में व्यंग्य, अन्धे नगरी की समीक्षा।

इकाई : ३ कहानी :

पाठ्य-पुस्तकः कथाभूमि, सम्पा.- चितरंजन मिश्र।

पाठ्य कहानियाँ-

उसने कहा था- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

पूस की रात- प्रेमचन्द

परदा- यशपाल

वापसी- उषा प्रियम्वदा

आलोचना के विन्दु : कहानियों की समीक्षा तथा सारांश।

इकाई : ४ विविध विधाएँ :

पाठ्य पुस्तक : गद्य पूर्णिमा, सम्पा.- डॉ. सैयद रहमतुल्ला; लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्य रचनाएँ-

मित्रता (निबन्ध)- आ. रामचन्द्र शुक्ल

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh

Scanned with CamScanner

प्रथम भेंट-अन्तिम भेंट (रेखाचित्र)- महादेवी वर्मा

बसन्त आ गया पर कोई उत्कण्ठा नहीं (ललित निबन्ध)- डॉ. विद्यानिवास मिश्र

नया समाज (एकांकी)- हरिकृष्ण प्रेमी

आलोचना के बिन्दुः रचनाओं का सारांश एवं समीक्षा।

निर्देशः

१. प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछा जायेगा। प्रश्नों के विकल्प भी होंगे। प्रत्येक प्रश्न १५ अंक का होगा।
15x4=60 अंक

२. इकाई दो, तीन तथा चार से तीन गद्यांश व्याख्या हेतु दिये जायेंगे, जिनमें से किन्हीं दो की व्याख्या विद्यार्थियों को करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिये १० अंक निर्धारित हैं।

10x2=20 अंक

सहायक ग्रन्थः

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र।
३. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह।
४. हिन्दी नाटकः उद्‌भव और विकास- हंसराज रहबर।
५. हिन्दी एकांकीः उद्‌भव और विकास- डॉ. रामचरण महेन्द्र।
६. हिन्दी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी।
७. हिन्दी कहानी का विकास- मधुरेश।
८. समकालीन हिन्दी साहित्यः विविध परिदृश्य- रामस्वरूप चतुर्वेदी।
९. अन्धेर नगरीः सृजन-विश्लेषण और पाठ- रमेश गौतम, किताबघर, दिल्ली।

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- चतुर्थ सत्र

हिन्दी स्नातक BHIN-404

भारतीय काव्यशास्त्र एवं भाषा विज्ञान

यह पत्र चतुर्थ सत्र में हिन्दी के सभी परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में विभक्त प्रत्येक इकाई के लिये अलग-अलग अंक निर्धारित हैं।

इकाई : १ **काव्यशास्त्र :**

काव्य लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य के गुण-दोष।

इकाई : २ **काव्यशास्त्र :**

रस- सभी रसों का सामान्य परिचय।

इकाई : ३ **काव्य शास्त्र :**

छन्द और अलंकार

(क) **छन्द**- दोहा, सोरठा, चौपाई, गीतिका, रोला, बरवै, कुण्डलिया तथा सवैया छन्द के लक्षण और उदाहरण।

(ख) **अलंकार**- अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा तथा सन्देह अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण।

इकाई : ४ **भाषा विज्ञान तथा देवनागरी लिपि**

भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ, भाषा और बोली में अन्तर, भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक तथा तुलनात्मक)।

देवनागरी लिपि तथा उसकी विशेषताएँ।

निर्देशः

१. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से १८-१८ अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 18x4=72 अंक

२. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से १-१ अंक के बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं आठ का उत्तर देना होगा। 1x8=08 अंक

by Registrar (Aca.&

Scanned with CamScanner

सहायक ग्रन्थः

१. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना- डॉ. रामचन्द्र तिवारी
२. काव्यांग कौमुदी- डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
३. भारतीय काव्यशास्त्र- सत्यदेव चौधरी
४. रस सिद्धान्त- डॉ. नगेन्द्र
५. काव्य के तत्त्व- देवेन्द्रनाथ शर्मा
६. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
७. भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

by Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- चतुर्थ सत्र

हिन्दी स्नातक BHIN SBC-404

कौशल आधारित पाठ्यक्रम

यह प्रश्नपत्र चतुर्थ सत्र में हिन्दी कौशलाधारित पाठ्यक्रम चुनने वाले सभी विद्यार्थियों के लि यह पत्र चार इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के अंक अलग-अलग निर्धारित हैं।

उद्देश्यः

१. सामाजिक, व्यवसायिक, कार्यालयी तथा शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के भाषा-कौशल निखार लाना।
२. विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं एवं साक्षात्कार हेतु आत्मविश्वास उत्पन्न करना।
३. विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल विकसित करना।
४. भाषा-ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना।

इकाई : १ राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का महत्त्व; मानक हिन्दी और बोलच की हिन्दी में अन्तर; शब्दकोश का उपयोग तथा प्रयोग की विधि; वार्तालाप कौश उच्चारण एवं शब्द प्रयोग; स्वागत भाषण, विषय प्रवर्तन तथा धन्यवाद ज्ञापन।

इकाई : २ आलेख रचना

पत्र-पत्रिकाओं के लिये आलेख रचना; आकाशवाणी एवं दूरदर्शन हेतु वार्ता साक्षात्कार एवं परिचर्चा तैयार करने की विधियाँ।

इकाई : ३ व्यवहारिक लेखन

सूचना; ज्ञापन; कार्यवृत्त; कार्यसूची; प्रतिवेदन; सम्पादन; आत्मविवरण तथा ई-मेल लेखन।

इकाई : ४ सृजनात्मक लेखन

कविता, कहानी, नाटक तथा एकांकी।

निर्देशः

१. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से १८-१८ अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 18x4=72 अंक
२. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से १-१ अंक के बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं आठ का उत्तर देना होगा। 1x8=08 अंक

Scanned with CamScanner

६. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास; डॉ. बच्चन सिंह।
७. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास; डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।

Dy. R... ...(Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- पंचम सत्र

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा BHIN-506

मध्यकालीन काव्य

यह पत्र पंचम सत्र (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के लिये मध्यकालीन काव्य के सम्यक् ज्ञान से सम्बन्धित है। इस पत्र में विद्यार्थियों से कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा, बिहारी तथा घनानन्द के काव्य एवं रचना कौशल की जानकारी अपेक्षित है।

पाठ्य पुस्तक : प्राचीन काव्य संग्रह; सम्पा.- राजदेव सिंह; वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

इकाई : १ कबीर एवं जायसी

(क) कबीर- प्रारम्भ के पाँच सबद।

(ख) जायसी- उपसंहार खण्ड।

इकाई : २ सूरदास :

विनय के पद-१, ५।

भ्रमरगीत प्रसंग- ३,४,५,६,७,८।

इकाई : ३ तुलसीदास एवं मीराबाई

(क) तुलसीदासः विनय के पद- १ एवं ५ तथा वनगमन-१,२,३।

(ख) मीरा : (पाठ्य पुस्तक- मीराबाई की पदावली, सम्पा.- परशुराम चतुर्वेदी) पद संख्या-१०, १७, १८ तथा ३५।

इकाई : ४ बिहारी एवं घनानन्द

बिहारी : दोहा सं.- ३,६,१०,१५,१७,२६,३०,३५,३६ तथा ३७।

घनानन्द : पद सं.- १,३,११ तथा १२।

निर्देशः

१. पाठ्यक्रम की चारो इकाइयों से एक-एक काव्यांश व्याख्या हेतु दिया जायेगा। उनमें से किन्हीं दो काव्यांशों की व्याख्या परीक्षार्थियों को करनी होगी। 10x2=20 अंक

२. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। चारो प्रश्नों के लिये विकल्प भी रहेंगे। 15x4=60 अंक

Scanned with CamScanner

सहायक ग्रन्थः

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास- सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र।

३. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह।

४.कबीर- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।

५. जायसी- विजयदेव नारायण साही।

६. सूर और उनका साहित्य- डॉ. हरवंशलाल शर्मा।

७. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- डॉ. मैनेजर पाण्डेय।

८. लोकवादी तुलसीदास- विश्वनाथ त्रिपाठी।

९. तुलसी साहित्य का आधुनिक सन्दर्भ- डॉ. हरीशकुमार शर्मा

१०. कथा राम कै गूढ़- रामचन्द्र तिवारी।

११.बिहारी- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

१२.घनानन्द का काव्य- डॉ. रामदेव शुक्ल।

१३.घनानन्द- लल्लन राय; साहित्य अकादमी, दिल्ली।

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- पंचम सत्र

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा BHIN-507

हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

यह पत्र पंचम सत्र (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान के सिद्धान्त, हिन्दी भाषा और लिपि व ज्ञान कराने के लिये है।

इकाई : १ भाषा की परिभाषा तथा अभिलक्षण; भाषा विज्ञानः अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक ऐतिहासिक और तुलनात्मक; भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध।

इकाई : २ **स्वन विज्ञान :**

स्वर स्वनों का वर्गीकरण, व्यंजन स्वनों का वर्गीकरण, मान स्वर, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

इकाई : ३ **अर्थ विज्ञान** : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण।

पद विज्ञान : शब्द और पद के भेद, पद परिवर्तन के कारण।

इकाई : ४ **हिन्दी भाषा** : हिन्दी भाषा का विकास, हिन्दी की बोलियों का परिचय (पूर्वी एवं पश्चिमी हिन्दी के विशेष सन्दर्भ में)।

निर्देशः

१. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से १८-१८ अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 18x4=72 अंक

२. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से १-१ अंक के बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं आठ का उत्तर देना होगा। 1x8=08 अंक

सहायक ग्रन्थः

१. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
२. भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
३. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
४. हिन्दी भाषा : डॉ. भोलानाथ तिवारी
५. हिन्दी भाषाः उद्‌भव और विकास : डॉ. हरदेव बाहरी
६. शब्दार्थ तत्त्व : डॉ. शोभाकान्त मिश्र
७. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ. राजमणि शर्मा
८. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा
९. हिन्दी भाषाः स्वरूप और विकास : कैलाशचन्द्र भाटिया

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- पंचम सत्र

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा BHIN-508

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाईः १ **प्रयोजनमूलक हिन्दीः** परिभाषा और स्वरूप; प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषताएँ।

सम्पर्क भाषाः स्वरूप; सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का राष्ट्रीय एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य; स्वाधीनता संग्राम में हिन्दी की भूमिका; पूर्वोत्तर भारत में सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी के प्रचार और प्रसार की उपयोगिता; प्रचार में आने वाली समस्याएँ, समाधान और सुझाव।

इकाईः २ **राजभाषा**

राजभाषाः अर्थ एवं स्वरूप; हिन्दी की संवैधानिक स्थिति; राजभाषा नियम १९७६ यथा संशोधित १९८७; राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग में आने वाली समस्याएँ और सुझाव।

इकाईः ३ **हिन्दी पत्रकारिता एवं संचार माध्यम**

पत्रकारिता- हिन्दी पत्रकारिता के विकास का संक्षिप्त परिचय; साहित्यिक पत्रकारिता; हिन्दी पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति।

संचार माध्यम- हिन्दी भाषा और साहित्य के विकास में आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं चित्रपट का योगदान; रेडियो लेखन की कला।

इकाईः ३ **पत्र लेखनः** सूचना, ज्ञापन, आदेश, टिप्पणी, अनुस्मारक, प्रतिवेदन, तथा विज्ञापन लेखन।

अनुवाद एवं पारिभाषिक शब्दावलीः परिभाषा; अनुवाद के प्रकार; अनुवादः समस्याएँ और समाधान। पारिभाषिक शब्दावलीः स्वरूप एवं परिभाषा; १०० पारिभाषिक शब्द।

निर्देशः

१. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से १८-१८ अंकों का एक-एक दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 18x4 72 अंक

२. पाठ्यक्रम में निर्धारित १०० पारिभाषिक शब्दों में से आठ पारिभाषिक शब्द परीक्षा में पूछे जायेंगे। 1x8 08 अंक

सहायक ग्रन्थः

Dy. Registrar (Aca.&Co

Scanned with CamScanner

१. राजभाषा हिन्दी प्रचलन- डॉ. रामेश्वर प्रसाद
२. हिन्दी पत्रकारिता- डॉ. वेदप्रताप वैदिक
३. व्यवहारिक राजभाषा- डॉ. नारायणदत्त पालीवाल
४. अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग- गोपीनाथ
५. हिन्दी शब्द-अर्थ प्रयोग- डॉ. हरदेव बाहरी
६. पूर्वोत्तर में हिन्दी प्रचार-प्रसार- चित्र महन्त
७. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. महन्त
८. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
९. अरुणाचल प्रदेश में हिन्दीः अध्ययन के नये आयाम- डॉ. श्यामशंकर सिंह

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

1.	Abandonment	-परित्याग
2.	Ability	- योग्यता
3.	Abolition	- उन्मूलन, अंत
4.	Abridge	- संक्षेप करना, न्यून करना
5.	Absence	- अनुपस्थिति
6.	Absolve	- विमुक्त करना
7.	Absorb	- अवशोषण करना, समाहित करना
8.	Abstract	- सार
9.	Absurdity	- अर्थहीनता, बेतुकापन
10.	Academic	- शैक्षणिक
11.	Academy	- अकादमी
12.	Acceptance	- स्वीकार
13.	Account	- लेखा, खाता
14.	Accurate	- यथार्थ
15.	Accuse	- अभियोग लगाना
16.	Adjustment	- समायोजन
17.	Adjuster	- समायोजक
18.	Administrative	- प्रशासकीय
19.	Admonition	- भर्त्सना
20.	Affidavit	- शपथनामा
21.	Affiliate	- सम्बद्ध करना
22.	Allotment	- आबंटन
23.	Ambassador	- राजदूत
24.	Bench	- न्यायपीठ
25.	Bribe	- घूस, रिश्वत
26.	Broadcast	- प्रसारण
27.	Cabinet	- मंत्रिमंडल
28.	Capital	- पूँजी
29.	Catalogue	- ग्रंथसूची
30.	Caution	-सावधान
31.	Cell	- कोष्ठ/कक्ष
32.	Censure Motion	- निन्दा प्रस्ताव
33.	Circle	- इलाका/अंचल
34.	Claim	- दावा
35.	Claimant	-दावेदार
36.	Clause	- खंड
37.	collusion	- दुरभिसंधि

Dy. Registrar (Acc...

Scanned with CamScanner

38.	Commemoration	- स्मारक
39.	Commencement	- प्रारंभ
40.	Comment	- टीका, टिप्पणी
41.	concern	- प्रतिष्ठान
42.	Concession	- रियायत
43.	Confidential	- गोपनीय
44.	Confirmation	- पुष्टि
45.	Contribution	- अंशदान
46.	Contraversial	- विवादास्पद
47.	Corrigendum	- शुद्धिपत्र
48.	Corroborate	- संपुष्टि करना
49.	Credibility	- विश्वसनीयता
50.	Defamation	- मानहानि
51.	Defence	- रक्षा
52.	Defendent	- प्रतिवादी
53.	Deficiency	- कमी
54.	Denial	- अस्वीकार
55.	Department	- विभाग
56.	Deposit	- निक्षेप/जमा
57.	Deputy	- उप
58.	Detective	-गुप्तचर/जासूस
59.	Dignitory	- उच्चपदधारी/उच्चपदस्थ
60.	Discrepancy	- विसंगति
61.	Dismiss	- पदच्युत करना
62.	Disobey	- अवज्ञा करना/ आज्ञा न मानना
63.	Disposal	- निपटान/निवतन
64.	Disqualify	- अनर्ह करना/अनर्ह होना
65.	Disregard	- अवहेलना
66.	Ditto	- यथोपरि/ जैसे उपर
67.	Duration	- अवधि
68.	Draft	- प्रारूप/मसौदा
69.	Earmark	- चिह्न करना
70.	Eligible	- पात्र
71.	Embassy	- राजदूतावास
72.	Emblem	- प्रतीक/ चिह्न
73.	Enrolment	- नामांकन
74	Ensure	- आश्वस्त करना

Scanned with CamScanner

75.	Entitle	- हकदार होना
76.	Faculty	- संकाय
77.	Extensive	- व्यापक/विस्तृत
78.	Financial	- वित्तीय
79.	Forward	- अग्रेषित करना
80.	Judgement	- निर्णय
81.	Legislative	- विधान मंडल
82.	Leisure	- अवकाश
83.	Lien	- पुनर्ग्रहणाधिकार
84.	Literacy	- साक्षरता
85.	Misconduct	- अनाचार/कदाचार
86.	Monopoly	- एकाधिकार
87.	Nominee	-नामिती/नामित/मनोनीत व्यक्ति
88.	Non-acceptance	- अस्वीकृति
89.	Oath	- शपथ
90.	Observance	- पालन
91.	Prohibited	- निषिद्ध (निषिद्ध)
92.	Project	- परियोजना
93.	Promotion	- प्रोन्नति
94.	Prospectus	- विवरण-पत्रिका
95.	Provisional	- अस्थायी
96.	Provision	- उपबंध/शर्त, व्यवस्था
97.	Recommended	- संस्तुत
98.	Relaxation	- छूट/रियायत/ढील
99.	Unavoidable	- अनिवार्य/ अपरिहार्य
100.	Valid	- विधिमान्य

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- षष्ठ सत्र

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा BHIN-609

हिन्दी साहित्य का इतिहास-२

यह पत्र षष्ठ सत्र (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के लिये हिन्दी साहित्य के इतिहास के आधुनिक काल के सम्यक् ज्ञान से सम्बन्धित है। इसमें विद्यार्थियों से साहित्येतिहास के आधुनिक काल की युगीन परिस्थितियों, प्रवृत्तियों एवं प्रमुख कवियों के बारे में जानकारी अपेक्षित है।

इकाई : १ आधुनिक काल :

सामान्य परिचय, पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ तथा प्रवृत्तियाँ।

इकाई : २ आधुनिककालीन कविता (क) :

भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद तथा राष्ट्रीय काव्यधारा।

इकाई : ३ आधुनिककालीन कविता (ख) :

प्रयोगवाद, नयी कविता, साठोत्तरी कविता तथा समकालीन कविता।

इकाई : ४ आधुनिककालीन गद्य :

क. गद्य की विभिन्न विधाओं- नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, जीवनी, रेखाचित्र, और संस्मरण का उद्भव और विकास।

ख. हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं का उद्भव तथा विकास।

निर्देश:

१. इस पत्र की प्रत्येक इकाई से १८-१८ अंकों का एक-एक दीर्घउत्तरीय प्रश्न पूछा जायेगा। प्रत्येक प्रश्न का विकल्प भी रहेगा। 18x4=72 अंक

२. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से १-१ अंक के बारह अति लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं आठ का उत्तर देना होगा। 1x8=08 अंक

सहायक ग्रन्थ:

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास; आ. रामचन्द्र शुक्ल।

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास; सम्पा.- डॉ. नगेन्द्र।

३. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास; डॉ. रामकुमार वर्मा।

४. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास: दो खण्ड; डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त।

५. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास; डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।

Dy. Regi...

Scanned with CamScanner

६. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास; डॉ. बच्चन सिंह।
७. हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास; डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
८. हिन्दी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- षष्ठ सत्र

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा BHIN-610

समकालीन काव्य

यह पत्र षष्ठ सत्र (प्रतिष्ठा) के विद्यार्थियों के लिये है। इसमें छायावादोत्तर कविता अध्ययन हेतु रखी गयी है।

पाठ्य पुस्तक-आधुनिक काव्य-लोक; सम्पा.- डॉ. विधानचन्द्र राय; प्रकाशक- आर्य भाषा संस्थान, वाराणसी।

इकाई : १ (क) अज्ञेय- बावरा अहेरी, छब्बीस जनवरी, साँप के प्रति।

(ख) शमशेर- घिर गया है समय का रथ, बात बोलेगी।

इकाई : २ (क) मुक्तिबोध- मृत्यु और कवि।

(ख) धर्मवीर भारती- टूटा पहिया, घाटी का बादल।

इकाई : ३ (क) केदारनाथ अग्रवाल- खेत का दृश्य, पक्षी दिन।

(ख) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना- सौन्दर्य बोध।

इकाई : ४ नरेश मेहता- किरन धेनुएँ, विडम्बना।

धूमिल- मोचीराम, शहर में सूर्यास्त।

निर्देश:

१. पाठ्यक्रम की चारो इकाइयों से एक-एक काव्यांश व्याख्या हेतु दिया जायेगा। उनमें से किन्हीं दो काव्यांशों की व्याख्या परीक्षार्थियों को करनी होगी। 10x2=20 अंक

२. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। चारो प्रश्नों के लिये विकल्प भी रहेंगे। 15x4=60 अंक

सहायक ग्रन्थ:

१. कविता के नये प्रतिमान- डॉ. नामवर सिंह
२. अस्तित्त्ववाद और नयी कविता- डॉ. रामविलास शर्मा
३. नयी कविताएँ: एक साक्ष्य- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
४. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा- डॉ. नन्दकिशोर आचार्य
५. कविता की मुक्ति- डॉ. नवलकिशोर
६. धूमिल की कविताएँ- डॉ. शुकदेव सिंह

Dy. Registrar

Scanned with CamScanner

७. नयी कविता में युगबोध- डॉ. प्रसिद्धनारायण पांडे
८. आधुनिक हिन्दी कविता- विश्वनाथप्रसाद तिवारी
९. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना- नन्दकिशोर नवल
१०. नयी कविता- डॉ. देवराज

Dy. Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner

स्नातक कला- षष्ठ सत्र

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा BHIN-612

हिन्दी गद्य साहित्य

यह प्रश्नपत्र षष्ठ सत्र में हिन्दी प्रतिष्ठा के परीक्षार्थियों के लिये है। यह पत्र चार इकाइयों में विभक्त है। इस प्रश्नपत्र में परीक्षार्थियों से गद्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी अपेक्षित है। इस पत्र में उपन्यास, नाटक, कहानी, निबन्ध तथा प्रकीर्ण विधाएँ अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी हैं।

इकाई : १ उपन्यास :

निर्मला- प्रेमचन्द

इकाई : २ नाटक :

पाठ्य-पुस्तक : ध्रुवस्वामिनी- जयशंकर प्रसाद।

इकाई : ३ (क) कहानी :

पाठ्य-पुस्तकः कहानीः कल और आज; सम्पा.- प्रो. एम. एस. जयमोहन; लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्य कहानियाँ

आकाशदीप- जयशंकर प्रसाद

तिरिछ- उदयप्रकाश

(ख) निबन्ध :

पाठ्य पुस्तकः निबन्ध संकलन; सम्पा.- डॉ. शंकरलाल शर्मा; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्य निबन्ध-

मन की दृढ़ता- बालकृष्ण भट्ट

शिरीष के फूल- हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई : ४ विविध विधाएँ :

Scanned with CamScanner

पाठ्य पुस्तक : प्रकीर्णिका; सम्पा.- बालकृष्ण राव, श्रीराम शर्मा; राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठ्य रचनाएँ-

रेखाचित्रः गिल्लू- महादेवी शर्मा

जीवनीः प्रेमचन्द- लमही में जन्म एवं अन्तिम बीमारी-- अमृतराय

आत्मकथाः अपनी खबर- पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र

संस्मरणः तीस बरस का साथीः रामविलास शर्मा- अमृतलाल नागर

निर्देशः

१. पाठ्यक्रम की चारो इकाइयों से एक-एक गद्यांश व्याख्या हेतु दिया जायेगा। उनमें से किन्हीं दो गद्यांशों की व्याख्या परीक्षार्थियों को करनी होगी। 10x2=20 अंक
२. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। चारो प्रश्नों के लिये विकल्प भी रहेंगे। 15x4=60 अंक

संदर्भ ग्रन्थः

१. प्रेमचन्द और उनका युग- रामविलास शर्मा
२. कहानीः नयी कहानी- डॉ. नामवर सिंह
३. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद- डॉ. त्रिभुवन सिंह
४. हिन्दी नाटक- डॉ. बच्चन सिंह
५. हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास- डॉ. दशरथ ओझा
६. नाटककार जयशंकर प्रसाद- सतेन्द्रकुमार तनेजा
७. हिन्दी गद्य साहित्य- रामचन्द्र तिवारी
८. हिन्दी गद्यः विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी
९. हिन्दी आत्मकथाः सिद्धान्त और स्वरूप-विश्लेषण- विनीता अग्रवाल
१०. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Dy Registrar (Aca.&Conf.)
Rajiv Gandhi University
Rono Hills: Doimukh
Arunachal Pradesh

Scanned with CamScanner